

**BEFORE THE NATIONAL GREEN TRIBUNAL PRINCIPAL
BENCH, NEW DELHI**

O.A. No. 641 OF 2025

IN THE MATTER OF: -

M.P. Singh

...Applicant

Versus

State of Uttar Pradesh & Others

...Respondents

NDOH – 03.02.2026

INDEX

S. NO.	PARTICULARS	PAGE NO.
1.	Affidavit on behalf of the Respondent No. 4 Uttar Pradesh Pollution Control Board	1-2
2.	ANNEXURE R4/1 (COLLY) A true copy of the inspection report dated 29.01.2026	3-5
3.	ANNEXURE R4/2 (COLLY) A true copy of the divisional Forest Officer report dated 29.01.2026	6-27

**Uttar Pradesh Pollution Control Board
Respondent No. 4**

Through



AMIT SHUKLA

Advocate for the UPPCB

Office at : D- 54, Sector – 48, Noida – 201303

Email: amit.shukla@lexweb.in

Ph. No. +91 9999933220; 9999333220

Place: New Delhi

Date: 30.01.2026

BEFORE THE HON'BLE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
PRINCIPAL BENCH, NEW DELHI

ORIGINAL APPLICATION NO. 641 of 2025

IN THE MATTER OF:

M.P Singh

..... Applicant

Versus

State of Uttar Pradesh & Ors.

..... Respondents

**AFFIDAVIT ON BEHALF OF THE RESPONDENT NO. 4, UTTAR
PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD**

I, Jagdamba Prasad Maurya, S/o Shri Darbari Lal Maurya, aged about 56 years, presently posted as the Regional Officer, Uttar Pradesh Pollution Control Board at Lucknow do hereby solemnly affirm and state on oath as under:

1. That in the official capacity mentioned above, I am acquainted with the facts and circumstances of the case and as such I am competent and authorized to swear this affidavit.

That this Hon'ble Tribunal has vide its order dated 22.12.2025 directed the Respondents to file their replies.

3. That the site in question was inspected on 28.01.2026. A true copy of the inspection report dated 29.01.2026 along with photographs are annexed herewith and marked as **Annexure R4/1**.
4. That a letter dated 23.01.2026 was sent to the Divisional Forest Officer seeking report on the incident alleged by the Applicant.





The inspection was conducted by the Asst. Divisional Forest Officer dated 27.01.2026. A true copy of the Divisional Forest Officer report dated 29.01.2026 are annexed herewith and marked as Annexure R4/2.

- 5. That the contents of the Affidavit are true and correct and nothing material has been concealed thereof.


DEPONENT

VERIFICATION:

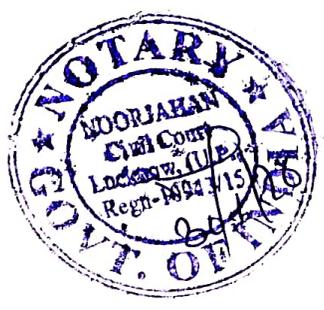
NOTARY

Verified at Lucknow on this the 26th day of January 2026 that the contents of above affidavit are true and correct to my knowledge based on records and information received and believed to be true, no part of it is false and nothing material has been concealed therefrom.


DEPONENT

Seen and Verified
 before me

NOORJAHAN
 Advocate & Notary
 Civil Court, Lucknow
 Registration No. 10943/11



I know & identify the deponent / Executant who has signed / put his T.I. before me

S J. Iqbal Advocate
 Reg No 6043/1999
 Adv Ued

माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित ओ०ए० संख्या-641/2025 M P Sing Versus State of UP & Ors. में पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 के अनुपालन में स्थल की निरीक्षण आख्या-

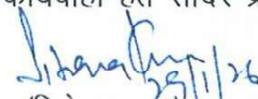
उपरोक्त विषयक माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 के अंश निम्नवत् है-

4. Prima facie the averments made in the application raise substantial questions relating to environment arising out of the implementation of the enactments specified in Schedule-I to the National Green Tribunal Act, 2010.
5. In view of the averments in the application, we consider it appropriate to have response of (1) State of Uttar Pradesh through Principal Secretary, Environment, Forest and Climate Change, Government of U.P. (2) District Magistrate, Lucknow (3) Divisional Forest Officer, Lucknow, (4) Uttar Pradesh Pollution Control Board (UPPCB) through Member Secretary (5) Central Pollution Control Board through Member Secretary (6) Uttar Pradesh Cooperative Sugar Mills Federation Ltd through its Managing Director who stand impleaded as respondents No. 1 to 06.
6. The Registry is directed to prepare and attach memo of parties to the application. 8
7. Mr. Bhanwar Pal Singh Jadon, Advocate has appeared and accepted notices on behalf of respondents no. 1 to 3.
8. The Registry is directed to issue notices to respondents No. 4, 5 and 6 along with copy of the original application and documents attached with the same.
9. Responses by the respondents no. 1 to 06 may be filed within four weeks.

उपरोक्त माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 के अनुपालन में उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12, राणाप्रताप मार्ग, लखनऊ में वृक्षों का अवैध पातन एवं अभिवहन किये जाने सम्बन्धी प्रकरण पर आपके आदेशानुसार स्थल का निरीक्षण अधोहस्ताक्षरकर्ताओ द्वारा दिनांक 28/01/2026 को किया गया। निरीक्षण के समय श्री अजय सिंह, सहायक प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि० एवं श्री अभिलाषकान्त शर्मा, लिपिक गन्ना संघ उपस्थित थे। निरीक्षण आख्या निम्नवत् है:-

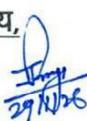
1. निरीक्षण के समय श्री अभिलाषकान्त शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12, राणाप्रताप मार्ग, लखनऊ की बिल्डिंग बहुत पुरानी होने के कारण परिसर में लगे हुये पीपल, आम एवं सेमल के वृक्षों की पोलडिंग/कटाई हेतु प्रभागीय वनाधिकारी, लखनऊ को वर्ष-2023 में पत्र प्रेषित किया गया था, परन्तु निरीक्षण के समय पत्र की प्रति प्राप्त नहीं करायी गयी। पेड़ों की पोलडिंग/कटाई का कार्य वर्ष-2023 में वन विभाग द्वारा किया गया था।
2. प्रकरण काफी पुराना होने के कारण वृक्षों के पोलडिंग/कटाई के सत्यापन के सम्बन्ध में श्री अभिलाषकान्त शर्मा, लिपिक गन्ना संघ द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में जिन वृक्षों की पोलडिंग/कटाई हुई थी, वह काफी बढ़ गये हैं, उनके द्वारा उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12, राणाप्रताप मार्ग, लखनऊ के परिसर में दिखाये गये वृक्षों के अक्षांश व देशान्तर सहित फोटोग्राफ संलग्न है।
3. इस कार्यालय के पत्रांक संख्या-1512/रिट याचिका-263/2026 दिनांक 23/01/2026 द्वारा प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ को उक्त के सम्बन्ध में आख्या प्रेषित किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया गया था, जिसके अनुक्रम में उनके पत्र संख्या-6029/35-3 दिनांक 29/01/2026 के माध्यम से आख्या प्राप्त हुई है, जोकि संलग्न है।

उपरोक्त आख्या आपके अवलोकनार्थ एवं अग्रिम आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रस्तुत है।

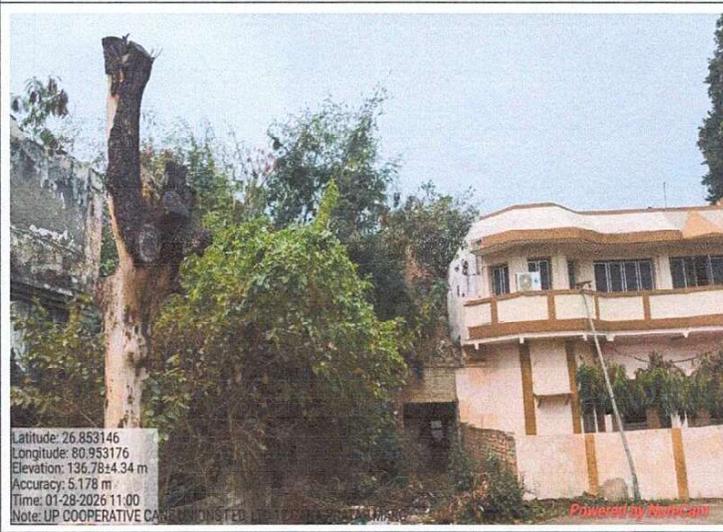

(जितेन्द्र कुमार)
वैज्ञानिक सहायक


(सत्य कुमार)
सहा०पर्या०अभि०

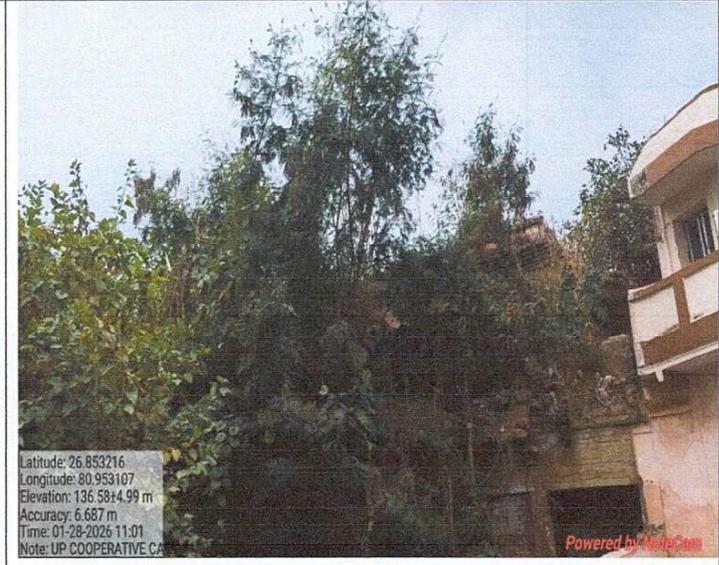
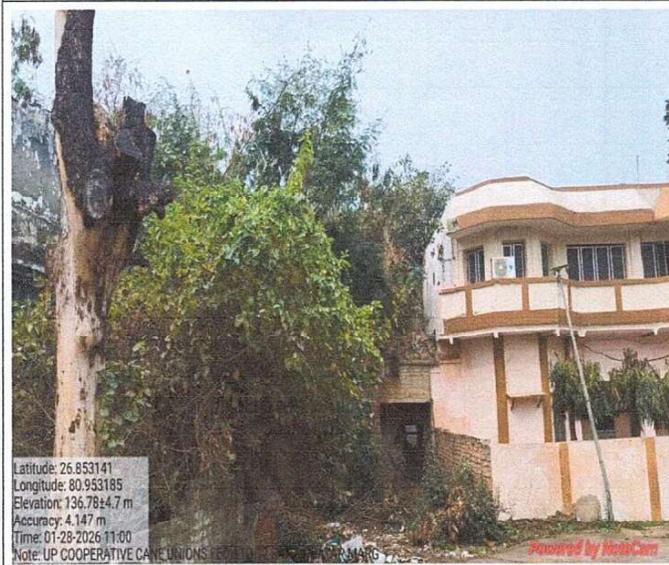
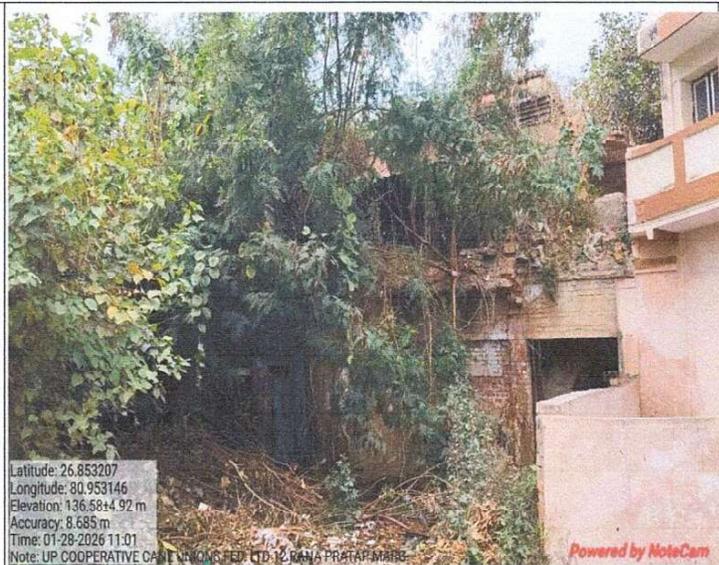
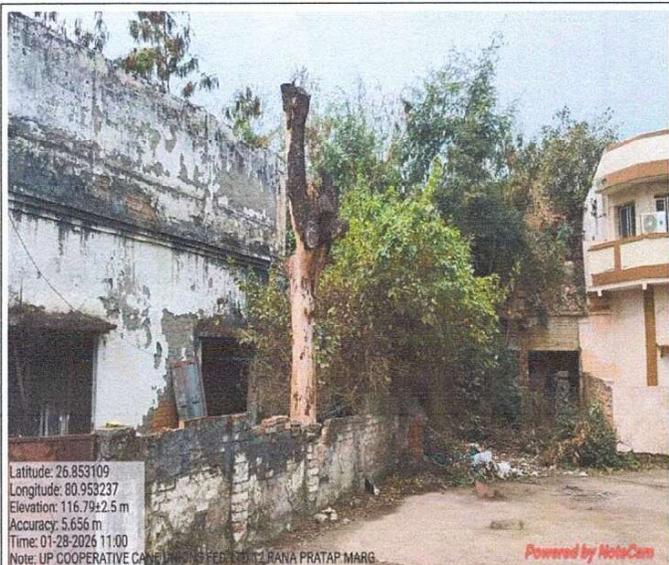
क्षेत्रीय अधिकारी/महोदय,


29/1/26

माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित ओ०ए० संख्या-641 / 2025 M P Sing Versus State of UP & Ors. में पारित आदेश दिनांक 22 / 12 / 2025 के अनुपालन में स्थल उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12, राणाप्रताप मार्ग, लखनऊ के निरीक्षण दिनांक 28 / 01 / 2026 के समय लिये गये फोटोग्राफ:-



↓



तार : पर्यावरण

GRAM : PARYAVARAN



24
उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड लखनऊ
UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD
LUCKNOW
क्षेत्रीय कार्यालय
Regional Office

ANNEXURE R4/2

6

सन्दर्भ संख्या:- 1512/रिट याचिका - 263/26
Ref. No

दिनांक 23/01/2026
Dated:

सेवा में,
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग,
लखनऊ।

मा० एन०जी०टी० प्रकरण

विषय:-माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली के द्वारा ओ०ए० संख्या-641/2025 एम०पी० सिंह बनाम स्टेट ऑफ यू०पी० व अन्य में पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 के अनुपालन के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली के द्वारा ओ०ए० संख्या-641/2025 एम०पी० सिंह बनाम स्टेट ऑफ यू०पी० व अन्य में पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें (छायाप्रति संलग्न)। उक्त पारित आदेश के मुख्य अंश निम्नवत् है-

5. In view of the averments in the application, we consider it appropriate to have response of (1) State of Uttar Pradesh through Principal Secretary, Environment, Forest and Climate Change, Government of U.P. (2) District Magistrate, Lucknow (3) Divisional Forest Officer, Lucknow, (4) Uttar Pradesh Pollution Control Board (UPPCB) through Member Secretary (5) Central Pollution Control Board through Member Secretary (6) Uttar Pradesh Cooperative Sugar Mills Federation Ltd through its Managing Director who stand impleaded as respondents No. 1 to 06.
6. The Registry is directed to prepare and attach memo of parties to the application. 8
7. Mr. Bhanwar Pal Singh Jadon, Advocate has appeared and accepted notices on behalf of respondents no. 1 to 3.
8. The Registry is directed to issue notices to respondents No. 4, 5 and 6 along with copy of the original application and documents attached with the same.
9. Responses by the respondents no. 1 to 06 may be filed within four weeks.
10. List on 03.02.2026 for further consideration.
11. The applicant may be informed about the next date of hearing fixed and be asked to join the proceedings physically or through V.C. on that date."

अतः उपरोक्त पारित आदेश दिनांक 04/07/2025 की प्रति संलग्न कर इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि कृपया उक्त प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही करते हुये कृत कार्यवाही की आख्या इस कार्यालय में प्रेषित करने का कष्ट करें, जिससे ससमय आख्या माननीय एन०जी०टी० में दाखिल किये जाने हेतु बोर्ड मुख्यालय प्रेषित की जा सके।

संलग्नक :-यथोपरि।

भवदीय

(जे०पी० मौर्य)
क्षेत्रीय अधिकारी

प्रतिलिपि:-

1. जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. मुख्य पर्यावरण अधिकारी (वृत्त-5), उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य विधि अधिकारी, उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।


क्षेत्रीय अधिकारी
०/८

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, उ०प्र० लखनऊ।
पत्रांक /35-3 लखनऊ दिनांक 29 जनवरी, 2026

सेवा में,

अपर प्रधान मुख्य वनसंरक्षक / मुख्य वनसंरक्षक
लखनऊ मण्डल,
उ०प्र०, लखनऊ।

विषय:- मा० एन०जी०टी० में दायर ओ०ए० संख्या-641/2025 महेन्द्र पाल सिंह बनाम उ०प्र० सरकार व अन्य के प्रस्तवार आख्या का अनुमोदन।
सन्दर्भ:- इस कार्यालय की पत्र सं०-6018/35-3 दिनांक 28-01-2026 एवं पत्र संख्या-6019 दिनांक 28-01-2026।

महोदया,

विषयांकित प्रकरण उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ के परिसर में हुए अवैध कटान से संबंधित है, जिसमें मा० राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 22-12-2025 को आदेश पारित किये गये (प्रति संलग्न)। उक्त पारित आदेश के क्रम में हुए अवैध कटान की जाँच उप प्रभागीय वनाधिकारी मोहनलालगंज के द्वारा किया गया है। जाँच आख्या के क्रम में प्रस्तवार आख्या तैयार कर अनुमोदन हेतु इस कार्यालय की पत्र संख्या-6018/35-3 दिनांक 28-01-2026 द्वारा मुख्य वन संरक्षक कोर्ट केम लखनऊ को प्रेषित करते हुए प्रति शपथ पत्र दाखिल किये जाने हेतु इस कार्यालय की पत्र संख्या-6019/35-3 दिनांक 28-01-2026 द्वारा समस्त अभिलेख एडवोकेट माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (श्री भंवर पाल सिंह जादौन) 121 न्यू लायर चैम्बर सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से अनुरोध किया गया है।

अतः आप अपने स्तर से प्रस्तवार आख्या का अनुमोदन हेतु उच्च स्तर को लिखने की कृपा करें।

संगलनक- उपरोक्तनुसार।

भवदीय

(सितान्यु पाडेण्य)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।

पत्रांक-6029 /35-3 उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं मा० राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 22-12-2025 के प्रति एवं संक्षिप्त इतिहास प्रस्तवार आख्या की प्रति संगलन कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1-जिलाधिकारी, लखनऊ।

2-सदस्य सचिव, उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।

3-क्षेत्रीय अधिकारी, उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड लखनऊ को उनके पत्र संख्या-1512/2-63/26 दिनांक 23-01-2026।

(सितान्यु पाडेण्य)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।

26
उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड लखनऊ
UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD
LUCKNOW
क्षेत्रीय कार्यालय
Regional Office

8

संख्या-1512 / रिट याचिका-263/26
Ref. No

दिनांक
Dated : 23/01/2026

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग,
लखनऊ।

मा0 एन0जी0टी0 प्रकरण

विषय:-माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली के द्वारा ओ0ए0 संख्या-641/2025 एम0पी0 सिंह बनाम स्टेट ऑफ यू0पी0 व अन्य में पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 के अनुपालन के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली के द्वारा ओ0ए0 संख्या-641/2025 एम0पी0 सिंह बनाम स्टेट ऑफ यू0पी0 व अन्य में पारित आदेश दिनांक 22/12/2025 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें (छायाप्रति संलग्न)। उक्त पारित आदेश के मुख्य अंश निम्नवत् है-

5. In view of the averments in the application, we consider it appropriate to have response of (1) State of Uttar Pradesh through Principal Secretary, Environment, Forest and Climate Change, Government of U.P. (2) District Magistrate, Lucknow (3) Divisional Forest Officer, Lucknow, (4) Uttar Pradesh Pollution Control Board (UPPCB) through Member Secretary (5) Central Pollution Control Board through Member Secretary (6) Uttar Pradesh Cooperative Sugar Mills Federation Ltd through its Managing Director who stand impleaded as respondents No. 1 to 06.
The Registry is directed to prepare and attach memo of parties to the application. 8
7. Mr. Bhanwar Pal Singh Jadon, Advocate has appeared and accepted notices on behalf of respondents no. 1 to 3.
8. The Registry is directed to issue notices to respondents No. 4, 5 and 6 along with copy of the original application and documents attached with the same.
9. Responses by the respondents no. 1 to 06 may be filed within four weeks.
10. List on 03.02.2026 for further consideration.
11. The applicant may be informed about the next date of hearing fixed and be asked to join the proceedings physically or through V.C. on that date."

अतः उपरोक्त पारित आदेश दिनांक 04/07/2025 की प्रति संलग्न कर इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि कृपया उक्त प्रकरण पर आवश्यक कार्यवाही करते हुये कृत कार्यवाही की आख्या इस कार्यालय में प्रेषित करने का कष्ट करें, जिससे ससमय आख्या माननीय एन0जी0टी0 में दाखिल किये जाने हेतु बोर्ड मुख्यालय प्रेषित की जा सके।

संलग्नक :-यथोपरि।

भवदीय
(जे0पी0 मौर्य)
क्षेत्रीय अधिकारी

प्रतिलिपि:-

1. जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. मुख्य पर्यावरण अधिकारी (वृत्त-5), उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य विधि अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।

क्षेत्रीय अधिकारी

मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित ओ0ए0 संख्या-641/2025 एम0पी0 सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य में पारित आदेश दिनांक 22.12.2025 के क्रम में संक्षिप्त इतिहास-

श्री महेन्द्र पाल सिंह, डी0-636/102, जयनगर तकरोही, जिला लखनऊ द्वारा मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली में उक्त याचिका योजित की गयी जिसमें निम्न संस्था को प्रतिवादी नामित कर मा0 न्यायालय को अवगत कराया गया-

- 1-प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, विभाग, उ0प्र0 शासन।
- 2-जिलाधिकारी, लखनऊ।
- 3-प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ।
- 4-सदस्य सचिव, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ।
- 5- सदस्य सचिव, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड।
- 6-प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 सहकारी चीनी मिल फेडरेशन लि0।

उ0प्र0 सहकारी गन्ना समिति संघ के संयुक्त प्रबन्ध निदेशक के पत्र संख्या- 126-27/ सामान्य दिनांक 23.07.2023 संलग्नक-1 द्वारा पीपल व यूकीलिपटस के वृक्षों के छंटान/ कटाने की अनुमति मांगी गयी थी। तदकम में जिला वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के पत्र संख्या 1299/22-10 दिनांक 16.08.2023 संलग्नक-2 द्वारा जांचोपरान्त 02 पीपल, 01 आम व 01 सेमल कुल 04 वृक्षों की शाखाओं को तरासी की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ दी गयी थी कि, 35 सेमी० की गोलाई तक खतरनाक शाखों की तरासी की जायेगी। यह भी स्पष्ट किया गया था कि वृक्षों का स्वरूप नष्ट न होने पावे। तरासी से प्राप्त प्रकाष्ठ के अभिवन हेतु इमारती लकड़ी एवं वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 यथा संशोधित में दिये गये प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

उक्त स्वीकृति की आड़ में वृक्षों का अवैध पातन किये जाने की शिकायत प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग से मय फोटोग्राफ के की गयी। क्षेत्रीय वनाधिकारी, लखनऊ द्वारा वन दरोगा श्री रामअवध यादव से प्रकरण की जांच करायी गयी। जांच के समय वन दरोगा द्वारा शिकायत के साथ प्रस्तुत फोटोग्राफ को संज्ञान में नहीं लिया और वन अपराध में लिप्त कार्मिकों/अधिकारियों से मिली भगत करके मात्र 03 वृक्षों का अवैध पातन और 01 वृक्ष की अवैध पोलेडिंग दर्शायी गयी और अभियुक्त श्री अभिलाशकान्त शर्मा से जुर्माना जमा कराकर प्रकरण को दाखिल दफतर करा दिया गया। जबकि कुल 13 वृक्षों का अवैध पातन किया गया है, जिससे संबंधित साक्ष्य इस पत्र के साथ संलग्न हैं।

वन दरोगा द्वारा इमारती लकड़ी एवं वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 के प्राविधानों का उल्लंघन किये जाने को संज्ञान में नहीं लिया गया जबकि निजी दुग्ध वाहन से लकड़ी का अभिवहन किये जाने संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया था। इस साक्ष्य के आधार पर उक्त नियमावली के नियम- 14 में निहित निम्न व्यवस्था को संज्ञान में लिया जाना चाहिए था,

14. अभिग्रहण करने की शक्ति

“जब यह विश्वास करने का कारण हो कि किसी वृक्ष को इस अधिनियम के उपबंधों के उल्लंघन में गिराया या काटा या हटाया गया है, तो ऐसे वृक्ष की लकड़ी, तथा ऐसे उल्लंघन में प्रयुक्त नाव, वाहन, वाहक या मवेशी यदि कोई हो, को किसी वन अधिकारी द्वारा जो वन रेन्जर से नीचे की पंक्ति का न हो या किसी पुलिस अधिकारी द्वारा, जो उप निरीक्षक से नीचे की पंक्ति का न हो या राज्य सरकार इस निमित्त सशक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जब्त किया जायेगा।” शिकायत के साथ दुग्ध वाहन संख्या: यू०पी०३२ डीएन ३०१८ की लकड़ी से लदी हुई फोटो जो अपराध स्थल, उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, लखनऊ के परिसर की है को वन दरोगा/क्षेत्रीय वनाधिकारी द्वारा संज्ञान में लेते हुए वाहन को जब्त करने के साथ-साथ लकड़ी को भी जब्त करने की कार्यवाही करनी चाहिए थी, किन्तु उनके द्वारा वाहन के नम्बर के आधार पर वाहन स्वामी का पता नहीं लगाया गया और वृक्ष संरक्षण हेतु निर्धारित व्यवस्था के विपरीत कार्य करके आरोपियों के साथ साठ-गांठ करके अनैतिक कार्य किया गया है।

अवैध कटान व अभिवहन से संबंधित साक्ष्य स्पष्ट होते हुए भी वन दरोगा द्वारा उक्त नियम को संज्ञान में न लिया जाना इस पूरे प्रकरण में उनकी संलिप्तता को दर्शाता है। वन दरोगा द्वारा जांच में निम्नवत त्रुटियों को छुपाया गया है।

1- 01 आम के वृक्ष की शाखाओं की जारी हेतु अनुमति दी गयी थी, किन्तु आम के पेड़ की शाखाओं को ऐसे तरासा गया कि उसका मूल स्वरूप ही समाप्त हो गया जिसकी पुष्टि में पूर्व में प्रस्तुत शिकायत के साथ संलग्न 1 पर फोटोग्राम दिया गया था, जिसकी प्रति पुनः संलग्न है। दूसरे आम के पेड़ को भी जड़ से काट दिया गया है जिसकी पुष्टि भी संलग्न फोटोग्राफ से होती है। अतः दी गयी अनुमति के विपरीत की गयी उक्त कार्यवाही को संज्ञान में लेने का कष्ट करें क्योंकि आपके अधीनस्थ वन दरोगा द्वारा जांच के समय उक्त स्थिति को संज्ञान में नहीं लिया गया है।

2- 01 सेमल के पेड़ की शाखाओं की तरासी हेतु दी गयी स्वीकृति के विपरीत उक्त पेड़ को जड़ से ही काटा दिया गया जिससे उक्त वृक्ष का मूल स्वरूप ही समाप्त हो गया, जिसकी पुष्टि की जा सकती है।

3- यूकेलिप्टस के पेड़ों की तरासी/छटाई के अनुमति नहीं दी गयी थी, किन्तु 03 यूकेलिप्टस के पेड़ों को जड़ से काटकर उनके स्वरूप को ही समाप्त कर दिया गया। जिसकी पुष्टि स्थानीय निरीक्षण से की जा सकती है।

4- वन दरोगा की जांच में कुल 04 वृक्षों की अवैध कटान को सही बताया गया है, जबकि कुल 10 वृक्षों का अवैध पातन किया गया है। उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ द्वारा उक्त अवैध वृक्ष पातन का कार्य करके जहां एक ओर शासकीय नीतियों के विपरीत कार्यवाही की गयी है वहीं दूसरी ओर पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुँचाया गया है।

वन संरक्षण अधिनियम के प्राविधानों के अनुसार रू० 5000/- प्रत्येक वृक्ष के पातन हेतु जुर्माने का प्राविधान है, जिसे संस्था से जमा न कराकर संघ के एक लिपिक श्री अभिलाश कान्त शर्मा से मात्र 12000/- जमा कराया गया है, जो नियमों के सर्वथा विपरीत है। श्री अभिलाश कान्त शर्मा द्वारा जुर्माना अदा किये जाने की स्थिति में अपराध की स्वीकारोक्ति की गयी है जो संस्था के अधिकारी श्री आर०डी० द्विवेदी की मिली भगत से घटित किया गया है।

5- इमारती लकड़ी एवं वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 यथा संशोधित में दिये गये प्राविधानों का अनुपालन किये जाने की अपेक्षा आपके उक्त पत्र के माध्यम से की गयी थी, किन्तु उक्त नियमावली के प्राविधानों के अन्तर्गत गन्ना संघ के परिसर से काटी गयी लकड़ी के अभिवहन हेतु नियमानुसार पास प्राप्त नहीं किया गया जबकि लकड़ी के अभिवहन हेतु निम्नानुसार फार्म- बी पर शपथ पत्र दिया जाना चाहिए था तथा फार्म सी पर अभिवहन शुल्क जमा करने की रसीद वन विभाग से प्राप्त करके संलग्न करनी चाहिए थी-

1. ऐसे वनोपज की मात्रा,
2. मालिक का नाम व पत्ता-
3. वह जोत जिसका खसरा खतौनी कमांक हो जहां से उफत प्राप्त की गयी हो तथा जोत आरक्षित वन की एक किलोमीटर की परिधि से बाहर हो ।
4. वृक्षों की संख्या एवं प्रजाति, और
5. वह स्थान जहां उपज ले लागी जानी है।

संस्था द्वारा उक्त निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है अपितु एक निजी दुग्ध वाहन से वृक्ष पातन उपरान्त लकड़ी को संघ परिसर से बाहर ले जाया गया है। जिसकी पुष्टि संलग्न फोटोग्राफ्स से स्वतः हो जाती है। इमारती लकड़ी एवं वन उपज अभिवहन नियमावली, 1978 जिसका पालन करना नितान्त आवश्यक था जैसाकि आप द्वारा निर्गत स्वीकृति पत्र में स्पष्ट उल्लिखित किया गया है। का अनुपालन नहीं किया गया है। इमारती लकड़ी एवं वन उपज अभिवहन नियमावली, 1978 का अनुपालन न किये

जाने संबंधी बिन्दु को आपके स्तर से पूर्व में क्षेत्रीय बनाधिकारी, शहरी रेन्ज, लखनउ से करायी गयी जांच के समय वन दरोगा द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया है।

7. स्वीकृति पत्र जो संयुक्त प्रबन्ध निदेशक श्री आर०डी० द्विवेदी को सम्बोधित है, में स्पष्टया उल्लिखित किया गया है कि, "अवैध कटान होने पर पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।" उक्त के संदर्भ में यह अवगत कराना है कि, संस्था के परिसर से जो भी अवैध कटान हुआ है वह समस्त तथ्य स्वीकृति प्राप्तकर्ता अधिकारी श्री आर०डी० द्विवेदी, संयुक्त प्रबन्ध निदेशक के संज्ञान में रहे हैं, किन्तु उनके द्वारा इस बिन्दु पर मीन धारण किया गया है। यही नहीं इस पूरी घटना को अंजाम देने के वाले कार्मिक श्री अभिलाश कान्त शर्मा को पूर्ण संरक्षण प्रदान किया गया है।

वन दरोगा द्वारा अपनी जांच में 13 अवैध वृक्ष पातन संबंधी तथ्य को छुपाते हुए मात्र 04 वृक्ष ही दर्शाये गये हैं और इमारती लकड़ी एवं वन उपज नियमावली 1979 के प्राविधानों का अनुपालन न किये जाने की स्थिति को संज्ञान में नहीं लिया गया और नियम-4/10 के अन्तर्गत निजी वाहन से अवैध वृक्ष पातन से प्राप्त लकड़ी को बाहर ले जाने संबंधी साक्ष्य को भी अनदेखा किया गया है, जबकि उक्त नियम के अन्तर्गत अवैध वृक्ष पातन से प्राप्त लकड़ी को नियम विरुद्ध अभिवहन किये जाने पर तत्काल उक्त वाहन को जब्त करने तथा संबंधित कार्मिक के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करनी चाहिए थी, जो नहीं की गयी।

इस संबंध में वन दरोगा का कथन है कि काटे गये वृक्षों के स्थान पर नये वृक्ष लगाने का कोई प्राविधान नहीं है और अवैध पातन की स्थिति में नियम 4/10 के अन्तर्गत अपेक्षित कार्यवाही के अतिरिक्त अन्य कोई कार्यवाही उनके स्तर से वांछित नहीं है। जबकि मा० सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निम्न आदेशों के अनुक्रम में संज्ञान में लेने की कृपा करें-

"उत्तर प्रदेश सरकार के वकील मौजूद रहे. मा. न्यायालय ने उनके सबमिशन पर गौर करते हुए कहा कि 29 नवम्बर, 2024 को जारी आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 के कार्यान्वयन के संबंध में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि राज्य ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत अपनी न्यायिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए टीटीजेड क्षेत्र में अवैध पेड़ों की कटाई में निम्नलिखित प्राविधानों के साथ जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गये हैं:-

यदि कोई व्यक्ति प्रतिबंधित प्रजातियों के वृक्षों की अवैध कटाई करता है या किसान के अलावा कोई अन्य व्यक्ति छूट प्राप्त प्रजातियों के वृक्षों को काटता है तो विभागीय वन अधिकारी द्वारा प्रति वृक्ष 10000 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा इसके साथ ही लकड़ीको जब्त किया जाएगा और अवैध रूप से काटे गए वृक्षों की संख्या के दस गुना वृक्षों के लिए ब्लाक पौधारोपण की राशि वन विभाग में जमा की जाएगी।

यदि अवैध कटाई का अपराध आईएफए 1927 के अन्तर्गत आता है तो विभाग वन अधिकारी द्वारा प्रति वृक्ष 25000 रुपये की वसूली की जा सकती है। इस स्थिति में भी लकड़ी को विभाग के पक्ष में जब्त

किया जाएगा और वृक्ष संरक्षण के लिए दस गुना वृक्षों की संख्या के लिए वृक्ष सुरक्षा पौधारोपण की राशि वन विभाग में जमा की जाएगी।

उक्त से स्पष्ट है कि, 13 वृक्षों के अवैध पातन की प्रक्रिया में जहां उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि० के अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्णतया सम्मिलित रहीं हैं वहीं दूसरी ओर वन विभाग के वन दरोगा व क्षेत्रीय वनाधिकारी जांच के समय उक्त समस्त घटनाओं की ओर आंख मूंदे रहे और शिकायत के समय फोटो को संज्ञान में नहीं लिया गया का उल्लेख कर याचिका दायर की गई है।

श्री महेन्द्र पाल सिंह, डी०-636/102, जयनगर तकरोही, जिला लखनऊ द्वारा मा० राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली में उक्त याचिका योजित की गयी। मा० न्यायालय द्वारा दिनांक 22.12.2025 को आदेश पारित किया गया।

मा० न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 22.12.2025 के क्रम में प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ (प्रतिवादी संख्या-3) द्वारा उक्त प्रकरण की जांच हेतु प्रभागीय कार्यालय की पत्र संख्या-5840/35-3 दिनांक 21.01.2026 द्वारा श्री महेन्द्र पाल सिंह (शिकायतकर्ता/याची) एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी, मलिहाबाद रेंज को संयुक्त जांच करने हेतु दिनांक 27.01.2026 को समय पूर्वान्ह 11:00 बजे निर्धारित किया गया। उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज द्वारा संयुक्त जांच कर अपने पत्र संख्या-3733/35-3 दिनांक 27.01.2026 द्वारा प्रकरण की जांच आख्या प्रस्तुत की गयी, प्रस्तुत आख्या के अनुसार प्रकरण में कार्यालय उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ ने अपने पत्र संख्या-126-27 दिनांक 14.07.2023 (संलग्नक-1) द्वारा पत्र प्रेषित करते हुए अवगत कराया गया कि संस्थान के भवन के छतों पर पीपल के पेड़ एवं जंगली पेड़ों ने विकराल रूप धारण कर लिया है, जिसकी जड़ें छतों से होते हुए दीवार के अन्दर चली गई हैं, जिससे भवन अत्यधिक क्षति हो रही है तथा कार्यालय के मुख्य गेट एवं कार्यालय के बाउण्ड्री से सटे हुए यूकेलिप्टस के पेड़ जो अत्यधिक बड़े होने के कारण किसी भी समय कार्यालय की दीवार पर गिर सकता है, कार्यालय की क्षति होने की पूर्ण सम्भावना है। संयुक्त प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, द्वारा कार्यालय का निरीक्षण कर वृक्षों की कटाई इत्यादि करवाने हेतु अनुरोध किया गया। जिसके क्रम में जांचोपरान्त प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ ने अपने पत्र संख्या-1299/22-10 दिनांक 16.08.2023 (संलग्नक-2) के माध्यम से कार्यालय परिसर में स्थित 04 हरे खड़े वृक्षों की शाखतरासी की अनुमति दी गयी, जिसमें 02 पेड़ पीपल, 01 पेड़ आम एवं 01 पेड़ सेमल थे, जिनकी शाखतरासी हेतु अनुमति दिनांक 10.09.2023 तक विधिमान्य होगी, प्रदान किया गया तथा संस्थान के बाहर स्थित 09 वृक्षों के शाखतरासी की अनुमति प्रभागीय कार्यालय के पत्रांक-1300/22-10 दिनांक 16.08.2023 (संलग्नक-3) द्वारा प्रभागीय लौंगिंग प्रबन्धक, उ०प्र०, वन निगम को दी गयी।

श्री महेन्द्र पाल सिंह निवासी, डी0-636/2, जय नगर तकरोही, लखनऊ मो0नं0-7388980522 द्वारा उ0प्र0 सहकारी गन्ना समिति संघ लि0, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ कार्यालय के परिसर में लगे पेड़ों की कटाई एवं छंटाई का कार्य वन अधिनियम के प्राविधानों के विपरीत किये जाने के संबंध में दिनांक रहित शिकायती पत्र (संलग्नक-4) जो प्रभागीय कार्यालय में दिनांक 25.11.2023 को प्राप्त हुआ। उक्त के क्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी रेंज को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये। जाँचोपरान्त पाया गया कि परिसर में बिना अनुमति के 02 नीम वृक्षों का अवैध पातन, 01 वृक्ष गूलर का 06 फिट ऊपर से तथा 01 वृक्ष अशोक 10 फिट ऊपर से काटा गया, जिस पर विभागीय विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त अभिलाश कांत शर्मा पुत्र स्व0 हरीकांत शर्मा, लिपिक, उ0प्र0 सहकारी गन्ना समिति संघ लि0, लखनऊ के विरुद्ध शहरी रेंज केस संख्या-12/2023-24 दिनांक 02.12.2023, उ0प्र0 वृक्ष संरक्षण, 1976 (यथासंशोधित) की धारा-4 व 10 तथा उ0प्र0 इमारती लकड़ी एवं अन्य वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 (यथासंशोधित) की धारा 3 व 28 में इजरा कर विधिक कार्यवाही की गयी तथा अभियुक्त से प्रतिकर स्वरूप रू0 12,000.00 (बारह हजार मात्र) वसूल किया गया”।

उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज द्वारा की गयी संयुक्त जाँच दिनांक 27.01.2026 की आख्या के आधार पर स्थिति निम्न प्रकार है, पर प्रस्तरवार आख्या-

1-प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के पत्रांक-1299/22-10 दिनांक 16.08.2023 द्वारा 04 वृक्षों की शाखतरासी की अनुमति दी गई थी, जिसमें 02 वृक्ष पीपल भवन दीवार पर उगे थे, 01 वृक्ष आम की शाख-तराशी की गयी, उक्त आम वृक्ष रोगग्रस्त होकर मौके पर सूखा खड़ा है तथा सेमल का वृक्ष मौके पर हरा खड़ा है। वृक्षों की शाखतरासी के उपरान्त 02 अन्य वृक्षों का अवैध पातन व 02 वृक्षों की अवैध पोलाडिंग की गयी, जिस पर संबंधित बीट प्रभारी द्वारा उ0प्र0 वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 (यथासंशोधित) की धारा-4, 10 तथा अवैध अभिवहन के लिए उ0प्र0 अभिवहन नियमावली, 1978 की धारा 3 व 28 के अन्तर्गत प्राथमिक अपराध रिपोर्ट (एच-2 केस) दर्ज किया गया, जिन वृक्षों का अवैध पातन किया गया उनके टूट साक्ष्य के रूप में पाये गये व जिन वृक्षों की अवैध पोलाडिंग की गयी थी वह मौके पर हरे खड़े हैं। उक्त के अतिरिक्त स्थल पर बाउण्ड्री के बाहर कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के पत्रांक-1300/22-10 दिनांक 16.08.2023 द्वारा उ0प्र0 वन निगम को 09 वृक्षों (यूकेलिप्टस व अन्य) की शाखतरासी/पोलाडिंग की अनुमति दी गयी थी। अतः यह कथन कि 13 वृक्षों का अवैध पातन किया गया है, सत्य नहीं है, जिन वृक्षों का अवैध पातन किया गया, उन पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी।

2- श्री महेन्द्र पाल सिंह निवासी, डी0-636/2, जय नगर तकरोही, लखनऊ मो0नं0-7388980522 द्वारा उ0प्र0 सहकारी गन्ना समिति संघ लि0, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ कार्यालय के परिसर में लगे पेड़ों की कटाई एवं छंटाई का कार्य वन अधिनियम के प्राविधानों के विपरीत किये जाने के संबंध में दिनांक

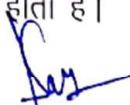
रहित शिकायती पत्र जो प्रभागीय कार्यालय में दिनांक 25.11.2023 को प्राप्त हुआ। उक्त के क्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी रेंज को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये। जाँचोपरान्त पाया गया कि परिसर में बिना अनुमति के 02 नीम वृक्षों का अवैध पातन, 01 वृक्ष गूलर का 06 फिट ऊपर से तथा 01 वृक्ष अशोक 10 फिट ऊपर से काटा गया, जिस पर विभागीय विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त अभिलाष कांत शर्मा पुत्र स्व० हरीकांत शर्मा, लिपिक, उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, लखनऊ के विरुद्ध शहरी रेंज केस संख्या-12/2023-24 दिनांक 02.12.2023, उ०प्र० वृक्ष संरक्षण, 1976 (यथासंशोधित) की धारा-4 व 10 तथा उ०प्र० इमारती लकड़ी एवं अन्य वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 (यथासंशोधित) की धारा 3 व 28 में इजरा कर विधिक कार्यवाही की गयी तथा अभियुक्त से मुख्य वन संरक्षक, लखनऊ मण्डल, लखनऊ के कार्यालय आदेश पत्रांक-278/ टी०सी०/22-20 दिनांक 15.09.2014 (संलग्नक-5) में निहित प्रावधानों के अनुसार प्रतिकर स्वरूप रू० 12,000.00 (बारह हजार मात्र) वसूल किया गया" जो नियमानुसार है।

3- प्रकरण में लिप्त कर्मचारी के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई, यह कथन सत्य नहीं है, जिस कर्मचारी द्वारा वृक्षों का अवैध पातन किया गया, उक्त कर्मचारी पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी। साथ ही विभागीय कार्यवाही हेतु प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के स्तर से जारी पत्र संख्या-212/टी०सी०/35-1 दिनांक 21.12.2025 (संलग्नक-06) द्वारा आयुक्त, उ०प्र०, सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12, राणा प्रताप मार्ग लखनऊ को इस आशय से प्रेषित किया गया कि उक्त प्रकरण में अपने स्तर से जांच कराकर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक विभागीय कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

4-यह कि 02 वृक्षों का अवैध पातन व 02 वृक्षों की पोलाडिंग (यह वृक्ष उन वृक्षों से भिन्न हैं, जिनकी शाखतरासी की अनुमति दी गयी थी) का अपराध जांच अधिकारी के समक्ष बयान देकर उ०प्र०, सहकारी समिति गन्ना संस्थान संघ लि० के लिपिक कर्मचारी अभिलाष कांत शर्मा द्वारा स्वीकार किया गया। विभाग द्वारा अभियुक्त पर विधिक कार्यवाही करते हुए सुसंगत धाराओं में उपरोक्तानुसार प्रतिकर वसूला गया।

5-यह कि शिकायतकर्ता द्वारा जिस दुग्ध वाहन को दर्शाया गया है, जांच करने पर मौके पर नहीं पाया गया। उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि० के लिपिक कर्मचारी अभिलाष कांत शर्मा द्वारा अपराध स्वीकार किया गया, जिस क्रम में एच-2 केस इजरा कर 02 वृक्षों का अवैध पातन, 02 वृक्षों की पोलाडिंग व अवैध अभिवहन किये जाने पर नियमानुसार प्रतिकर वसूला गया। उक्त कार्यवाही उ०प्र० वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 (यथासंशोधित) के अन्तर्गत व उ०प्र० अभिवहन नियमावली, 1978 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत की गयी है।

6-यह कि शिकायतकर्ता/याची द्वारा मा0 सर्वोच्च न्यायालय के जिन आदेशों का उल्लेख किया गया है, ताज ट्रैपेजियम जोन (टी0टी0जेड0) के संबंध में जैसा कि 01 पेड़ के बदले 10 गुना वृक्ष लगाये जाने हेतु क्षतिपूरक व्यय लिये जाने के संबंध में उल्लेख किया गया है, के कम में अवगत कराना है कि अवध वन प्रभाग, लखनऊ ताज ट्रैपेजियम जोन (टी0टी0जेड0) से आच्छादित नहीं है। अतः उक्त प्राविधान यहां लागू नहीं होता है।


क्षेत्रीय वन अधिकारी,
शहरी रेंज।


उप प्रभागीय वनाधिकारी,
मौहनलालगंज।


प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।

मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित ओ0ए0 संख्या-641/2025 एम0पी0 सिंह बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य में पारित आदेश दिनांक 22.12.2025 के क्रम में प्रस्तरवार आख्या-

श्री महेन्द्र पाल सिंह, डी0-636/102, जयनगर तकरोही, जिला लखनऊ द्वारा मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली में उक्त याचिका योजित की गयी। मा0 न्यायालय द्वारा दिनांक 22.12.2025 को आदेश पारित किया गया।

मा0 न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 22.12.2025 के क्रम में प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ (प्रतिवादी संख्या-3) द्वारा उक्त प्रकरण की जाँच हेतु प्रभागीय कार्यालय की पत्र संख्या-5840/35-3 दिनांक 21.01.2026 द्वारा श्री महेन्द्र पाल सिंह (शिकायतकर्ता/याची) एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी, मलिहाबाद रेंज को संयुक्त जाँच करने हेतु दिनांक 27.01.2026 को समय पूर्वान्ह 11:00 बजे निर्धारित किया गया। उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज द्वारा संयुक्त जाँच कर अपने पत्र संख्या-3733/35-3 दिनांक 27.01.2026 द्वारा प्रकरण की जाँच आख्या प्रस्तुत की गयी, प्रस्तुत आख्या के अनुसार प्रकरण में कार्यालय उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ ने अपने पत्र संख्या-126-27 दिनांक 14.07.2023 (संलग्नक-1) द्वारा पत्र प्रेषित करते हुए अवगत कराया गया कि संस्थान के भवन के छतों पर पीपल के पेड़ एवं जंगली पेड़ों ने विकराल रूप धारण कर लिया है, जिसकी जड़ें छतों से होते हुए दीवार के अन्दर चली गई हैं, जिससे भवन अत्यधिक क्षति हो रही है तथा कार्यालय के मुख्य गेट एवं कार्यालय के बाउण्ड्री से सटे हुए यूकेलिप्टस के पेड़ जो अत्यधिक बड़े होने के कारण किसी भी समय कार्यालय की दीवार पर गिर सकता है, कार्यालय की क्षति होने की पूर्ण सम्भावना है। संयुक्त प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि० द्वारा कार्यालय का निरीक्षण कर वृक्षों की कटाई इत्यादि करवाने हेतु अनुरोध किया गया। जिसके क्रम में जांचोपरान्त प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ ने अपने पत्र संख्या-1299/22-10 दिनांक 16.08.2023 (संलग्नक-2) के माध्यम से कार्यालय परिसर में स्थित 04 हरे खड़े वृक्षों की शाखतरासी की अनुमति दी गयी, जिसमें 02 पेड़ पीपल, 01 पेड़ आम एवं 01 पेड़ सेमल थे, जिनकी शाखतरासी हेतु अनुमति दिनांक 10.09.2023 तक विधिमान्य होगी, प्रदान किया गया तथा संस्थान

के बाहर स्थित 09 वृक्षों के शाखतरासी की अनुमति प्रभागीय कार्यालय के पत्रांक-1300/22-10 दिनांक 16.08.2023 (संलग्नक-3) द्वारा प्रभागीय लौंगिंग प्रबन्धक, उ०प्र०, वन निगम को दी गयी।

श्री महेन्द्र पाल सिंह निवासी, डी०-636/2, जय नगर तकरोही, लखनऊ मो०न०-7388980522 द्वारा उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ कार्यालय के परिसर में लगे पेड़ों की कटाई एवं छंटाई का कार्य वन अधिनियम के प्राविधानों के विपरीत किये जाने के संबंध में दिनांक रहित शिकायती पत्र (संलग्नक-4) जो प्रभागीय कार्यालय में दिनांक 25.11.2023 को प्राप्त हुआ। उक्त के क्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी रेंज को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये। जाँचोपरान्त पाया गया कि परिसर में बिना अनुमति के 02 नीम वृक्षों का अवैध पातन, 01 वृक्ष गूलर का 06 फिट ऊपर से तथा 01 वृक्ष अशोक 10 फिट ऊपर से काटा गया, जिस पर विभागीय विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त अभिलाश कांत शर्मा पुत्र स्व० हरीकांत शर्मा, लिपिक, उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, लखनऊ के विरुद्ध शहरी रेंज केस संख्या-12/2023-24 दिनांक 02.12.2023, उ०प्र० वृक्ष संरक्षण, 1976 (यथासंशोधित) की धारा-4 व 10 तथा उ०प्र० इमारती लकड़ी एवं अन्य वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 (यथासंशोधित) की धारा 3 व 28 में इजरा कर विधिक कार्यवाही की गयी तथा अभियुक्त से प्रतिकर स्वरूप रू० 12,000.00 (बारह हजार मात्र) वसूल किया गया।

उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज द्वारा की गयी संयुक्त जाँच दिनांक 27.01.2026 की आख्या के आधार पर स्थिति निम्न प्रकार है, पर प्रस्तरवार आख्या-

1-प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के पत्रांक-1299/22-10 दिनांक 16.08.2023 द्वारा 04 वृक्षों की शाखतरासी की अनुमति दी गई थी, जिसमें 02 वृक्ष पीपल भवन दीवार पर उगे थे, 01 वृक्ष आम की शाख-तराशी की गयी, उक्त आम वृक्ष रोगग्रस्त होकर मौके पर सूखा खड़ा है तथा सेमल का वृक्ष मौके पर हरा खड़ा है। वृक्षों की शाखतरासी के उपरान्त 02 अन्य वृक्षों का अवैध पातन व 02 वृक्षों की अवैध पोलाडिंग की गयी, जिस पर संबंधित बीट प्रभारी द्वारा उ०प्र० वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 (यथासंशोधित) की धारा-4, 10 तथा अवैध अभिवहन के लिए उ०प्र० अभिवहन नियमावली, 1978 की धारा 3 व 28 के अन्तर्गत प्राथमिक अपराध रिपोर्ट (एच-2 केस) दर्ज किया गया, जिन वृक्षों का अवैध पातन

किया गया उनके टूट साक्ष्य के रूप में पाये गये व जिन वृक्षों की अवैध पोलाडिंग की गयी थी वह मौके पर हरे खड़े हैं। उक्त के अतिरिक्त स्थल पर बाउण्ड्री के बाहर कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के पत्रांक-1300/22-10 दिनांक 16.08.2023 द्वारा उ०प्र० वन निगम को 09 वृक्षों (यूकेलिप्टस व अन्य) की शाखतरासी/पोलाडिंग की अनुमति दी गयी थी। अतः यह कथन कि 13 वृक्षों का अवैध पातन किया गया है, सत्य नहीं है, जिन वृक्षों का अवैध पातन किया गया, उन पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी।

2- श्री महेन्द्र पाल सिंह निवासी, डी०-636/2, जय नगर तकरोही, लखनऊ मो०नं०-7388980522 द्वारा उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, 12 राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ कार्यालय के परिसर में लगे पेड़ों की कटाई एवं छंटाई का कार्य वन अधिनियम के प्राविधानों के विपरीत किये जाने के संबंध में दिनांक रहित शिकायती पत्र जो प्रभागीय कार्यालय में दिनांक 25.11.2023 को प्राप्त हुआ। उक्त के क्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी रेंज को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये। जाँचोपरान्त पाया गया कि परिसर में बिना अनुमति के 02 नीम वृक्षों का अवैध पातन, 01 वृक्ष गूलर का 06 फिट ऊपर से तथा 01 वृक्ष अशोक 10 फिट ऊपर से काटा गया, जिस पर विभागीय विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त अभिलाश कांत शर्मा पुत्र स्व० हरीकांत शर्मा, लिपिक, उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि०, लखनऊ के विरुद्ध शहरी रेंज केस संख्या-12/2023-24 दिनांक 02.12.2023, उ०प्र० वृक्ष संरक्षण, 1976 (यथासंशोधित) की धारा-4 व 10 तथा उ०प्र० इमारती लकड़ी एवं अन्य वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 (यथासंशोधित) की धारा 3 व 28 में इजरा कर विधिक कार्यवाही की गयी तथा अभियुक्त से मुख्य वन संरक्षक, लखनऊ मण्डल, लखनऊ के कार्यालय आदेश पत्रांक-278/ टी०सी०/22-20 दिनांक 15.09.2014 (संलग्नक-5) में निहित प्राविधानों के अनुसार प्रतिकर स्वरूप रू० 12,000.00 (बारह हजार मात्र) वसूल किया गया" जो नियमानुसार है।

3- प्रकरण में लिप्त कर्मचारी के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई, यह कथन सत्य नहीं है, जिस कर्मचारी द्वारा वृक्षों का अवैध पातन किया गया, उक्त कर्मचारी पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी। साथ ही विभागीय कार्यवाही हेतु प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के स्तर से जारी पत्र संख्या-212/टी०सी०/35-1 दिनांक 21.12.2025 (संलग्नक-06) द्वारा आयुक्त, उ०प्र०, सहकारी

गन्ना समिति संघ लि०, 12, राणा प्रताप मार्ग लखनऊ को इस आशय से प्रेषित किया गया कि उक्त प्रकरण में अपने स्तर से जांच कराकर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक विभागीय कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

4-यह कि 02 वृक्षों का अवैध पातन व 02 वृक्षों की पोलाडिंग (यह वृक्ष उन वृक्षों से भिन्न हैं, जिनकी शाखतरासी की अनुमति दी गयी थी) का अपराध जांच अधिकारी के समक्ष बयान देकर उ०प्र०, सहकारी समिति गन्ना संस्थान संघ लि० के लिपिक कर्मचारी अभिलाष कांत शर्मा द्वारा स्वीकार किया गया। विभाग द्वारा अभियुक्त पर विधिक कार्यवाही करते हुए सुसंगत धाराओं में उपरोक्तानुसार प्रतिकर वसूला गया।

5-यह कि शिकायतकर्ता द्वारा जिस दुग्ध वाहन को दर्शाया गया है, जांच करने पर मौके पर नहीं पाया गया। उ०प्र० सहकारी गन्ना समिति संघ लि० के लिपिक कर्मचारी अभिलाष कांत शर्मा द्वारा अपराध स्वीकार किया गया, जिस क्रम में एच-2 केस इजरा कर 02 वृक्षों का अवैध पातन, 02 वृक्षों की पोलाडिंग व अवैध अभिवहन किये जाने पर नियमानुसार प्रतिकर वसूला गया। उक्त कार्यवाही उ०प्र० वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1976 (यथासंशोधित) के अन्तर्गत व उ०प्र० अभिवहन नियमावली, 1978 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत की गयी है।

6-यह कि शिकायतकर्ता/याची द्वारा मा० सर्वोच्च न्यायालय के जिन आदेशों का उल्लेख किया गया है, ताज ट्रैपेजियम जोन (टी०टी०जेड०) के संबंध में जैसा कि 01 पेड़ के बदले 10 गुना वृक्ष लगाये जाने हेतु क्षतिपूरक व्यय लिये जाने के संबंध में उल्लेख किया गया है, के क्रम में अवगत कराना है कि अवध वन प्रभाग, लखनऊ ताज ट्रैपेजियम जोन (टी०टी०जेड०) से आच्छादित नहीं है। अतः उक्त प्राविधान यहां लागू नहीं होता है।


क्षेत्रीय वन अधिकारी,
शहरी


उप प्रभागीय वनाधिकारी,
मोहनलालगंज।


प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।




कार्यालय उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि०,
12, राणा प्रताप' मार्ग, लखनऊ-226001

दूरभाष 0522-2207871
E-mail gannasangh@yahoo.in

पत्रांक 126-27 / सागान्य

दिनांक 14, जुलाई, 2023

प्रभागीय वन अधिकारी,
अवध वन प्रभाग,
21/475 इन्दिरा नगर,
लखनऊ।

संलग्न वन प्रभाग, लखनऊ
दिनांक 14-7-23
380
2-2-40

विषय:- कार्यालय परिसर एवं भवन की छतो पर उगे वृक्षों की कटाई हेतु।

अवगत कराना है कि कार्यालय उत्तर प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि., 12 राणा प्रताप मार्ग लखनऊ के भवन की छतो पर पीपल के पेड़ एवं जगली पेड़ों ने विकराल रूप धारण कर लिया है। जिसकी जड़े छतो से होते हुये दीवारों के अन्दर चली गयी है। जिससे भवन की अत्याधिक क्षति हो रही है साथ ही यह भी अवगत कराना है कि कार्यालय के मुख्य गेट एवं कार्यालय की बाउन्ड्री से सटे यूकेलिप्टिस के पेड़ जो अत्याधिक बड़े होने के कारण किसी भी समय तेज हवा से कार्यालय की दीवार पर गिर सकता है जिससे कार्यालय के क्षति होने की पूर्ण सम्भावना है।

कृपया आप अपने स्तर से कार्यालय का निरीक्षण कर वृक्षों की कटाई इत्यादि की कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्न-वृक्षों की छाया चित्र 9

PC
PM

DFO
18/7/23

श्री राजेश धर अग्रवाल
ज्येष्ठ आंचक आर्यादा
RFO
24/7/23



14/07/23
(राजेश धर द्विवेदी)
संयुक्त प्रबन्ध निदेशक
गन्ना संघ।

प्रतिलिपि-अधिसासी अभियन्ता, कार्यालय उप. गन्ना आयुक्त परिक्षेत्र-लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, उ०प्र०, लखनऊ।

पत्रांक 540/22-10, लखनऊ, दिनांक 19/07/2023।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं इस निर्देश के साथ प्रेषित कि विषयक स्थल पर स्थित वृक्षों का निरीक्षण/जाँच कर "जाँच आख्या" मयस्वामित्व संस्तुति सहित मूल्यांकन सूची मयसारांश एवं सम्बन्धित वृक्ष की स्पष्ट रंगीन फोटोग्राफ व आवेदक की आई०डी० संलग्न कर उप प्रभागीय वनाधिकारी के माध्यम से तत्काल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें:-

1. उप प्रभागीय वनाधिकारी
2. क्षेत्रीय वन अधिकारी

प्रभागीय वनाधिकारी
अवध वन प्रभाग लखनऊ।
21/475, इन्दिरानगर, लखनऊ

कार्यालय, प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, उ०प्र० लखनऊ।
पत्रांक 1299/22-10, लखनऊ, दिनांक 09/09/23।

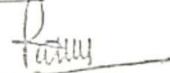
संयुक्त प्रमुख निदेशक,
उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना समिति संघ लि०
12, राणा प्रताप मार्ग लखनऊ।

विव- कार्यालय परिसर में स्थित 04 हरे खड़े वृक्षों की साख-तरासी अनुमति के सम्बन्ध में।
सन्दर्भ- आपका पत्रांक-126-127/सागान्य, दिनांक 14.07.2023।

उपरोक्त विषयक संचर्चित पत्र के क्रम में भौके स्थल पर स्थित 04 हरे खड़े वृक्षों की जांच क्षेत्रीय वन अधिकारी शहरी एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी मोहनलालगंज द्वारा करायी गयी, उनकी जांच आख्या के अनुसार 02 पीपल, 01 आम एवं 01 सेमल (कुल 04) हरे खड़े वृक्षों की साख-तरासी अनुमति के लिए फ़ैली पायी गयी है। उक्त वृक्षों पर गन्ना समिति संघ का स्वामित्व है।

उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज एवं क्षेत्रीय वन अधिकारी शहरी की जांच आख्या के अनुसार 02 पीपल, 01 आम एवं 01 सेमल (कुल 04) हरे खड़े वृक्षों की चिन्हित की गयी (गोलाई 35 सेंमी०) तक खतरनाक शाखाओं की साख-तरासी हेतु अनुमति प्रदान की जाती है। किसी भी दशा में उक्त वृक्षों का अवैध पातन नहीं किया जायेगा, मात्र वृक्षों की आवश्यकतानुसार शाखाएं जो वास्तव में खतरनाक फ़ैली हैं, को ही साख-तरासी की जाएगी। वृक्षों का स्वरूप नष्ट न होने पाये। साख-तरासी से प्राप्त प्रकाठ के अभिवहन हेतु उ०प्र० इमारती लकड़ी एवं अन्य वन उपज अभिवहन नियमावली 1978 (यथा-संशोधित) में दिये गये प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में अथवा अवैध कटान होने पर पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

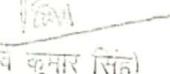
उक्त 04 हरे खड़े वृक्षों की साख-तरासी हेतु अनुमति दिनांक 10-09-2023 तक विधिमान्य होगी।


(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।

पत्रांक 1299/22-10, लखनऊ, दिनांक 09/09/23।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आक्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज।
2. क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी को उनकी संस्तुति पत्र सं०-150/22-10, दिनांक 09.09.2023 के क्रम में इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उक्त वृक्षों का अवैध पातन न होने पाये।


(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।



कार्यालय दूरभाष सं०: 0522-2716723

ई-मेल : dfolucknow@gmail.com

dfolu-up@nic.in

कार्यालय, प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, उ०प्र० लखनऊ।
पत्रांक /22-10(शाख-तरासी), लखनऊ, दिनांक 16/08/2023।

सेवा में,

प्रभागीय लौगिंग प्रबन्धक,
उ०प्र० वन निगम
लखनऊ।

विषय:- राज्य सम्पत्ति के स्वामित्व वाले वृक्षों की शाख-तरासी के सम्बन्ध में।
नहोदय,

उपरोक्त विषयक पत्र के क्रम में जांच रिपोर्ट की छायाप्रतियाँ संलग्न कर इस अनुरोध से प्रेषित है कि कृपया व्यक्तिगत ध्यान आकर्षित करते हुए संलग्न निम्न विवरण के अनुसार वृक्षों की शाख-तरासी करवाने का कष्ट करें:-

1. आ०सं०-11एन.डी.आर.एम. रोड लखनऊ।
2. 33 गुलिस्ता कालोनी लखनऊ।
3. प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि० 12 राणाप्रताप मार्ग लखनऊ।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग लखनऊ।

पत्रांक- /22-10 (शाख-तरासी) तददिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्न को उक्त के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. श्री केतकी सिंह, विधायक, भाजपा 362 बॉसडीह, बलिया निवास-33 राजकीय गुलिस्ता कालोनी लखनऊ को उनके पत्र दिनांक रहित के क्रम में।
2. संयुक्त प्रबन्ध निदेशक, उ०प्रदेशीय सहकारी गन्ना समिति संघ लि० 12 राणा प्रताप मार्ग लखनऊ के उनकी पत्र सं०-126-27/सामान्य, दिनांक 14.07.2023.

(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग लखनऊ।

पत्रांक- 1300 /22-10 (शाख-तरासी) तददिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को उक्त के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज को उनकी संस्तुति के क्रम में।
2. क्षेत्रीय वन अधिकारी शहरी को उनकी संस्तुति पत्र सं०-139, 141 व 150/22-10, दिनांक 07.08.2023।



सं. अ० उपरतगंज

नोटकर
RFO

(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग लखनऊ।

कार्यालय विभागीय अधिकारी अवध वन विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ
पत्रांक /22-10(शाखा-तरासी), लखनऊ दिनांक 16.08.2023

सेवा में
जिला वन अधिकारी
अवध वन प्रभाग
अरण्य विकास भवन
21/475 इंदिरानगर

विषय: उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना समिति संघ लिमिटेड, 12 राणा प्रताप मार्ग लखनऊ के कार्यालय परिसर में लगे पेड़ों की छटाई एवं कटाई का कार्य वन अधिनियम के प्रावधनों के विपरीत किए जाने के संदर्भ में विधिक कार्यवाही करने का अनुरोध

महोदय

आपको विनम्रतापूर्वक अवगत कराना है की उत्तर प्रदेश सहकारी गन्ना समिति संघ लिमिटेड के परिसर में लगे पेड़ों की छटाई हेतु वन विभाग द्वारा निर्धारित मानको के अनुसार छटाई कराने की अनुमति माँ दिसंबर 2023 में दी गई थी। वन विभाग द्वारा दी गई अनुमति के क्रम में निर्धारित मानको के अंतर्गत पेड़ों की छटाई कराई जानी थी किन्तु विभागीय कर्मचारियों द्वारा जहाँ एक और निर्धारित मानको के विपरीत पेड़ों की छटाई की गई वहीं दूसरी ओर वन स्वीकृति की आड़ में पेड़ों को जड़ से काटने की अनुमति आप द्वारा नहीं दी गई थी।

उक्त से स्पष्ट है कि वन अधिनियम के प्रावधनों के विपरीत पेड़ों की कटाई के स्थान पर जड़ से काटने का कार्य किया गया। जबकि पेड़ों की छटाई एवं जड़ से काटने का कार्य किया गया है पेड़ों की छटाई एवं कटाई से संबंधित फोटोग्राफ इस पत्र के साथ इस अनुरोध सहित प्रेषित किया जा रहे हैं। की कृपया इनकी गोपनीय तरीके से जांच करते हुए विभाग कार्रवाई कराने की कृपा करें। जिससे वन अधिनियम का पालन हो सके।

महेन्द्र पाल सिंह
डी 636/102 जयनगर तकरोही
लखनऊ
मोबाइल नंबर 738898 0522

// True typed copy//

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, लखनऊ मण्डल, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
पत्रांक: 2787C / 22-20 लखनऊ, दिनांक: सितम्बर 15, 2014

कार्यालय आदेश

दिनांक 12.09.2014 को मण्डल के प्रभागीय वनाधिकारियों की आहूत बैठक में निजी भूमि पर स्थित पेड़ों के अवैध कटान पर चर्चा की गयी तथा पेड़ों के अवैध कटान के फलस्वरूप प्रथम धनराशि संशोधित किये जाने पर सभी प्रभागीय वनाधिकारियों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। अतः इस कार्यालय के पत्र संख्या 258-टी0सी0/22-20 दिनांक 10.12.2013 तथा निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है:-

1. निजी भूमि पर स्थित वृक्षों के अवैध कटान में प्रतिवर्धित प्रजाति के वृक्षों (साल, सागौन, खैर व कुत्तभी आम को छोड़कर) में न्यूनतम रू0 2500 प्रति वृक्ष की दर से मुआवजा वसूल किया जाये।
2. साल, सागौन व खैर वृक्षों के अवैध कटान पर न्यूनतम रू0 3500 प्रति वृक्ष की दर से मुआवजा वसूल किया जाये एवं कुत्तभी आम के वृक्षों में न्यूनतम रू0 1500 प्रति वृक्ष की दर से मुआवजा वसूल किया जाये।
3. यदि किन्हीं कारण वश निर्धारित दर से मुआवजा वसूल नहीं हो पाता है कि संबंधित उप प्रभागीय वनाधिकारी जाँच कर औचित्य स्पष्ट करते हुए अपनी आख्या वन अपराध में दर्ज करेंगे।
4. निर्धारित दर से कम मुआवजा वसूल किये जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की भूमिका की जाँच की जाये।
5. उक्त आदेश 01 अक्टूबर, 2014 से प्रभावी होगा।
कृपया दिये गये आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

T.C./570(01/4)B

9. अ. व. अ. अ.

570/2

15/9/14

(ईवा शर्मा)

मुख्य वन संरक्षक

लखनऊ मण्डल, उ0प्र0 लखनऊ।

संख्या 2787C / उक्त दिनांकित।

प्रतिलिपि समस्त प्रभागीय वनाधिकारी/निदेशक, लखनऊ मण्डल को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(ईवा शर्मा)

मुख्य वन संरक्षक

लखनऊ मण्डल, उ0प्र0 लखनऊ।



अरण्य विकास भवन, इन्दिरा नगर, लखनऊ।
दूरभाष सं: 0522-2716723
मो: 0-7839435107, 8853878960
ई-मेल : dfolucknow@gmail.com

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ।
पत्रांक- 212 /T.C/35-1 लखनऊ, दिनांक, दिसम्बर, 21, 2023

सेवा में,

आयुक्त,
उ०प्र०, सहकारी गन्ना समिति संघ लिमिटेड,
12, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ।

विषय:- दिनांक 02.12.2023 को उ०प्र० सहाकारी गन्ना समिति संघ लि० 12, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ में
अवैध रूप से वृक्षों के पातन किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय में अवगत कराना है कि दिनांक 02.12.2023 को आपके अधीनस्थ उ०प्र० सहाकारी गन्ना समिति संघ लि० 12, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ में 02 वृक्ष नीम का अवैध पातन एवं 01 वृक्ष गुलर एवं 01 वृक्ष अशोक की पोलाडिंग अवैध रूप से बिना पातन अनुज्ञा प्राप्त किये की गई, जिसके कम में क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी रेंज द्वारा रेंज केस संख्या-12/2023-24 दिनांक 02.12.2023 द्वारा आपके संस्थान के अधिकारी/कार्मिक अभिलाष कान्त शर्मा पुत्र स्व० हरी कान्त शर्मा के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की गई।

इस संबंध में आपसे अनुरोध है कि उक्त वन अपराध में अपने स्तर से संबंधित अधिकारी/कार्मिक के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।

संख्या 212 /T.C/ 2-1 उक्तदिनांकित।

प्रतिलिपि-उप प्रभागीय वनाधिकारी, मोहनलालगंज को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
प्रतिलिपि- क्षेत्रीय वन अधिकारी, शहरी रेंज को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।



श्री० अ० देवराज

जोहरा
JOM
RFO

(डा० रवि कुमार सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी,
अवध वन प्रभाग, लखनऊ।